बर्षः- 06
अंकः- 126
मुरादाबाद
(Thursday)
27 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

60 साल से अधिक उम्र की महिलाएं करेंगी फ्री सफर, सीएम योगी बोले-अपराधियों को अब जेल या जहन्नुम में ही जगह

मायावती बोलीं- हिजाब की आड़ में नहीं हो संकीर्ण राजनीति, किसी भी धर्म व मान्यताओं पर न करें टिप्पणी

योगी सरकार का बेटियों को तोहफा, 50 हजार छात्राओं को देगी स्कूटी

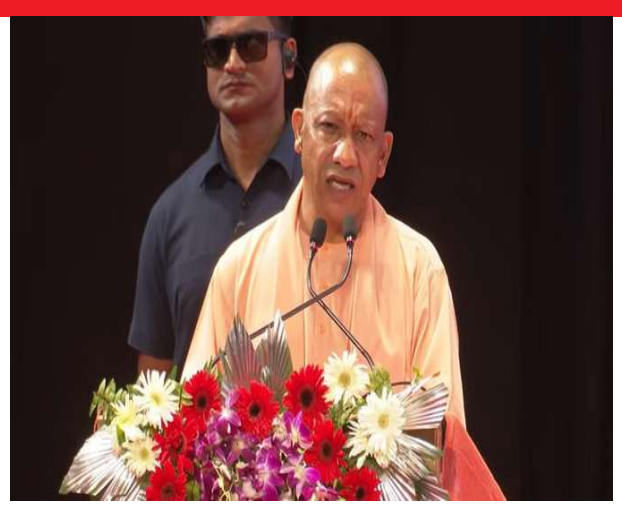

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ कर दिया। 60 वर्ष से अधिक उम्र वाली महिलाओं को यूपी रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 50 हजार छात्राओं को स्कूटी देने का एलान किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारी हर योजना बेटियों को केंद्र में रखकर बनाई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एलान किया है। योगी सरकार प्रदेश की 50 हजार छात्राओं को स्कूटी देगी। बुधवार को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम ने ये एलान किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यूपी की डबल इंजन सरकार की हर एक योजना बेटियों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है।

2017 के पहले प्रदेश की क्या स्थिति थी। पहले कहा जाता था कि देख सपाई बिटिया घबराई। प्रदेश में बेटियों का सम्मान, शिक्षा और भविष्य सुरक्षित नहीं था। प्रदेश में उत्सव के पहले दंगे हो जाते थे।हर तरफ अव्यवस्था और अराजकता का माहौल था। हम उस दौर को याद करते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं पर जब मोदी जी के नेतृत्व में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई तो अराजकता को उत्सव बना दिया गया है। सरकार की हर योजना का केंद्र बेटी है। पहले तो हर योजना में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जेल या जहन्नुम में कोई एक जगह मिलेगी। पहले बेटियों की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी पर अब सिस्टम और तकनीक पर आधारित है। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस योजना का लाभ रोजाना करीब 88438 महिला यात्रियों को मिलने का अनुमान है। योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता अहिल्याबाई साहस और स्वाभिमान की प्रतीक हैं। इसलिए हमने इस योजना का नाम 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना नाम दिया है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाओं को अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं, इसके बाद 60 वर्ष की उम्र से ऊपर की हर एक महिला को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब ये भी याद करना जरूरी है कि 2017 के पहले प्रदेश की क्या स्थिति थी। पहले कहा जाता था कि देख सपाई बिटिया घबराई। प्रदेश में बेटियों का सम्मान, शिक्षा और भविष्य सुरक्षित नहीं था। प्रदेश में उत्सव के पहले दंगे हो जाते थे। हर तरफ अव्यवस्था और अराजकता का माहौल था। हम उस दौर को याद करते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं पर जब मोदी जी के नेतृत्व में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई तो अराजकता को उत्सव बना दिया गया है। सरकार की हर योजना का केंद्र बेटी है। पहले तो हर योजना में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जेल या जहन्नुम में कोई एक जगह मिलेगी। पहले बेटियों की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी पर अब सिस्टम और तकनीक पर आधारित है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं से बात की और सरकार के इस निर्णय पर उनकी प्रतिक्रिया जानी। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को इस सुविधा के लिए धन्यवार दिया और आभार जताया। उन्नाव की पुष्पा ने सीएम योगी से कहा कि इस सुविधा से उन्हें बहुत लाभ मिलेगा अब उन्हें कहीं भी जाना होगा तो उन्हें किसी पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा। वहीं, सीएम योगी ने महिलाओं से कहा कि आप अच्छे लोगों को चुनते हैं तो अच्छा ही होता है।

निगम की ओर से जारी होंगे विशेष स्मार्ट कार्ड- इस योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा को व्यवस्थित तरीके से लागू करने के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। स्मार्ट कार्ड के माध्यम से पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा।

22 करोड़ से ज्यादा हर महीने होंगे खर्च- इस सुविधा के तहत सरकार पर हर महीने 22.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। योगी सरकार ने इस फैसले के जरिए महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता के रूप में दर्शाया है। 'सशक्त नारी' के संकल्प को अब परिवहन सेवाओं से भी जोड़ दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हिजाब विवादः ओवैसी के बयान से गरमाई सियासत, एनडीए नेताओं ने साधा निशाना, वोटबैंक की राजनीति का लगाया आरोप

हिजाब विवाद पर असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है।एनडीए नेताओं ने ओवैसी पर वोटबैंक की राजनीति करने और शिक्षा के मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया। सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने हिजाब विवाद पर एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणी को लेकर पलटवार किया है। उन्होंने बयान की निंदा करते हुए ओवैसी पर वोटबैंक की राजनीति करने और शिक्षा व प्रगति के मुद्दे को सांप्रदायिक रंग% देने का आरोप लगाया। क्या है पूरा मामला? ओवैसी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले की कड़ी आलोचना की थी, जिसमें प्रयागराज के एक स्कूल के नाबालिग छात्र की याचिका खारिज कर दी गई थी। छात्र ने तय स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की अनुमति मांगी थी।इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, असदुद्दीन ओवैसी अपने आप को क्या समझते हैं, यही समझ नहीं आता है। क्या वे भारत के संविधान को मानने वाले लोग हैं या संविधान के विरुद्ध चलने वाले लोग हैं। अगर उनके मन मुताबिक फैसला कोर्ट दे, तो वो ठीक, अगर मन मुताबिक फैसला नहीं हो तो कोर्ट का विरोध करते हैं। भारत में अगर रहना है तो भारत के संविधान को ही मानना पड़ेगा नेता नलिन कोहली ने कहा, कांग्रेस हो या ओवैसी हो, अगर वो कह रहे हैं कि हिजाब पहनना जरूरी है तो उन्हें जवाब देना

समाज में दया और सद्भाव की भावना मजबूत होगीः पीएम मोदी ने दी ईद और ओणम की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी और ओणम के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। एकता, दया और कामना की। इसके देशवासियों को उन्होंने ईद पर खुशियों की साथ ही राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, योगी आदित्यनाथ और रेखा गुप्ता समेत कई नेताओं ने भी बधाई दी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी और ओणम के अवसर पर बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ईद मुबारक। इसके साथ ही अन्य कई नेताओं ने भी बधाई दी है। पीएम मोदी की ओर से एक्स पोस्ट में लिखा गया, मिलाद-उन-नबी की बधाई। मुझे उम्मीद है कि यह अवसर हमारे आस-पास एकता और खुशियां बढ़ाएगा। दया और समाज के प्रति योगदान की भावना हमेशा हमारा मार्गदर्शन करे।

इनको ज्यादा तूल देकर कोर्ट-कचहरी में विवाद का मुद्दा बनाने के बजाय स्कूल प्रबंधन व शासन-प्रशासन की आपसी समझ से सुलझा लेना चाहिए ताकि किसी को भी इसकी आड़ में संकीर्ण राजनीति करने का मौका न मिल पाए।

बसपा सुप्रीमो ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि संविधान में पूरे देश को एक कड़ी में जोड़कर सशक्त भारत बनाने की गारंटी सुनिश्चित की है। इसके तहत सभी धर्म के ग्रंथों व उनके धार्मिक रीति-रिवाज व मान्यताओं के आधार पर शांत एवं सुखी जीवन जीने का अधिकार है। इसकी अनदेखी करने व दखल देने के बजाय सभी को उसकी पवित्रता का सम्मान करना चाहिये।बसपा सर्वसमाज के सम्मान व उनके जान-माल व मजहब की सुरक्षा की गारंटी वाली आंबेडकरवादी पार्टी है, जिसका मानना है कि किसी भी धर्म, धार्मिक ग्रंथ व धार्मिक प्रचलन, मान्यताओं के संवेदनशील मामलों पर सभी लोग टीका-टिप्पणी करने से बचें तो यह देश व जनहित में होगा।

मायावती ने कहा कि कहा कि संविधान में पूरे देश को एक कड़ी में जोड़कर सशक्त भारत बनाने की गारंटी सुनिश्चित की है। इसके तहत सभी धर्म के ग्रंथों व उनके धार्मिक रीति-रिवाज व मान्यताओं के आधार पर शांत एवं सुखी जीवन जीने का अधिकार है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि महिलाओं की अस्मिता, सम्मान व पर्दा आदि के जरिये अपने आत्मसम्मान व स्वाभिमान की रक्षा जैसे मामलों को संवेदनशीलता से देखना चाहिए। जहां तक स्कूलों में यूनीफार्म, पर्दा, चादर, हिजाब आदि पहनने का मामला है,

चुनाव से पहले सपा का एलानः सरकार बनने पर महिलाओं के लिए शुरू होगी स्त्री सम्मान समृद्धिः सालाना मिलेंगे 40,000

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने यूपी विधानसभा चुनाव से पहले महिला मतदाताओं के लिए बड़ा एलान किया है। समाजवादी पार्टी के अनुसार, यूपी में सत्ता में आने पर 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' शुरू करेगी। इस योजना के तहत महिलाओं को 40 हजार रुपये देने का प्रावधान किया जाएगा।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने महिलाओं को रिझाने के लिए बड़ा एलान किया है। यूपी में सपा की सरकार बनने पर 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' शुरू की जाएगी। पार्टी सांसद डिंपल यादव ने कहा कि योजना के तहत महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देने का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है। योजना को लेकर पार्टी की ओर से आगे पात्रता, प्रक्रिया और अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी दिए जाने की संभावना है।

आधी आबादी को पूरी आजादी दिलाने का काम करेगी सपा- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि देश और समाज की प्रगति बिना आधी आबादी की तरक्की के अधूरी है।

महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उनकी सरकार के फैसले हमेशा अहम रहे हैं। अखिलेश यादव ने 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' का जिक्र करते हुए कहा कि यह आधी आबादी को पूरी आजादी दिलाने का संकल्प है। योजना के तहत महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे और भविष्य में इस राशि को बढ़ाया भी जाएगा।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर तकनीक से जोड़ने का काम किया था। भविष्य में इंटर पास करने वाली बेटियों को भी लैपटॉप देने की योजना है। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। भाजपा पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लिए नारी सिर्फ एक राजनीतिक नारा बनकर रह गई है। उन्होंने अगले चुनाव में महिला आरक्षण लागू करने और महिलाओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई।

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आधी आबादी के साथ सबसे ज्यादा अन्याय हो रहा है। उन्होंने सपा सरकार के दौरान शुरू की गई 102 एम्बुलेंस सेवा का जिक्र करते हुए वर्तमान व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। समाजवादी पार्टी महिलाओं की असुरक्षा की भावना दूर करने और आधी आबादी को पूरी आजादी दिलाने के लिए काम करेगी।अखिलेश यादव ने कहा कि महिलाओं को स्वतंत्र और प्रखर बनना चाहिए। महिलाओं के आने-जाने की सुविधा को बेहतर बनाया जाएगा। छात्राओं के लिए कार्ड के माध्यम से मेट्रो में मुफ्त यात्रा जैसी सुविधा उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रगतिशील सोच के साथ लोगों को जोड़ने का काम करती है और पीडीए इसका जोड़ने वाला नारा है। इस दौरान उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए।

अखिलेश यादव ने महिलाओं के लिए घोषित स्त्री सम्मान समृद्धि योजना और सालाना 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का जिक्र करते हुए कहा कि इस घोषणा की भाजपा नेताओं ने आलोचना की थी। उन्होंने बेहतर और विश्वस्तरीय सार्वजनिक शौचालय बनाने की भी बात कही और कहा कि इन्हें सम्मानजनक नाम से 'इज्जतघर' कहा जाना चाहिए।

असदुद्दीन ओवैसीः स्कूल में हिजाब पहनने की नहीं मिली इजाजत; भड़के एआईएमआईएम सांसद, आदेश को बताया इस्लाम पर हमला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज के एक स्कूल की छात्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने स्कूल यूनिफॉर्म के साथ स्कार्फ या हिजाब पहनने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट के इस फैसले की आलोचना करते हुए प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इसे इस्लाम पर हमला बताया और संविधान के अनुच्छेद 25 व 19 का हवाला दिया। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश की कड़ी आलोचना की है, जिसमें प्रयागराज के एक स्कूल की नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी गई थी। छात्रा ने स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की अनुमति मांगी थी। दारुस्सलाम स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित 'जलसा-ए-रहमतुल-लिल-आलमीन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओवैसी ने हाई कोर्ट के फैसले को %इस्लाम पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि जब सबरीमाला मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और संविधान के तहत किसी धर्म में किसी प्रथा की 'अनिवार्यता' पर विचार किया जा रहा है, तब हाई कोर्ट को ऐसा आदेश नहीं देना चाहिए था।'मैं हाई कोर्ट के फैसले से सहमत नहीं'- एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा,इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक फैसला आया। एक लड़की स्कूल में हिजाब पहनकर जाती थी और कोर्ट ने फैसला सुनाया कि हिजाब नहीं पहना जा सकता। मैं हाई कोर्ट के इस फैसले से सहमत नहीं हूं; मैं इससे इत्तेफाक नहीं रखता। सबरीमाला मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट के सामने है, जहां नौ जज यह तय कर रहे हैं कि क्या जरूरी है। फैसला अनुच्छेद 25 और 19 का उल्लंघन-आज का फैसला भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 19 का उल्लंघन करता है। आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि इस्लाम के लिए क्या जरूरी है? लड़कियां हिजाब अपने सिर पर पहनती हैं, दिमाग पर नहीं। यह इस्लाम पर हमला है।हाई कोर्ट ने 'धार्मिक अनिवार्यता' के दावे पर क्या कहा?- मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ऐसा कोई धार्मिक ग्रंथ या अन्य सामग्री पेश करने में नाकाम रही, जिससे यह साबित हो सके कि स्कार्फ पहनना उसके धर्म का ऐसा जरूरी हिस्सा है, जिसके बिना उसकी धार्मिक आस्था प्रभावित होगी। कोर्ट ने यह भी गौर किया कि तस्वीरों में उसी धार्मिक समुदाय के कुछ अन्य छात्र बिना स्कार्फ के नजर आ रहे थे। अदालत ने कहा कि जब स्कूल का ड्रेस कोड सभी छात्रों के लिए समान हो, नेक नीयत से बनाया गया हो

संपादकीय Editorial

One Minister, One University

Now, Union ministers will visit universities across the country, spending entire days interacting with Gen-G individuals, trying to understand their concerns, problems, and shortcomings, sharing their government's policies and schemes, and thus minimizing the potential for a significant vote bank to disintegrate. Shouldn't such efforts be made consistently and systematically at every government level? This scheme is being initiated at the behest of Prime Minister Modi. The Prime Minister has sensed the anger, resentment, and protests among Gen-G individuals across the country, which is why ministers have visited universities. Furthermore, the Prime Minister has instructed ministers to remain active on social media platforms like Facebook, YouTube, Instagram, X, and LinkedIn, and engage with youth. Such public outreach and public dialogue are essential in a democracy, but they must be regular. Now, with Gen-G individuals and Gen-Alpha (school students) also agitating in various parts of the country, Prime Minister Modi has come up with this "Agneepath" of communication. We don't consider this a wrong decision by a democratic government, but if ministers' focus remains focused on social media and Gen-G, who will pay attention to the ministries? Who will implement the ministries' inevitable policy decisions? A minister's primary and constitutional responsibility should be to the ministry. Only then can they prove accountable to the public. If ministers are forced to engage in vote bank protection in the run-up to elections, it will obviously affect the fundamental work of the ministry and the government. Gen-G is the generation born between 1997 and 2012. Its population is estimated to be around 370-400 million. They are capable of bringing about change in the country, as most of them will be voters in the 2029 Lok Sabha elections. In any case, the country currently has 57 central universities and 522 state universities. In addition, there are 420-450 private universities and approximately 125 deemed universities. Union ministers will visit approximately 1,300 universities and interact with Gen-G to try to pacify and satisfy them. We believe that if serious attention had been paid to the education system, especially the poor condition of schools, during Prime Minister Modi's 12-year tenure, even ministers would not have been forced to become "content creators." The entire education system and infrastructure are in shambles. Our basic education system is so poor that 75 percent of children in Grade 3, 50 percent in Grade 5, and 25 percent in Grade 8 were unable to read a Grade 2 textbook. This is the conclusion of the 2014-15 annual report of the NGO "Pratham." When the quality of Indian schools was studied, India ranked second lowest among 110 countries. This is a deeply disappointing and alarming statistic. A study conducted in the capital, Delhi, revealed that only 54 percent of children were able to read a few sentences. It is a matter of concern that education was allocated 4.5 percent of GDP, which has now been reduced to 2.6 percent. Even figures like Sarsanghchalak Mohan Bhagwat have been saying that this budget should be at least 6%. NITI Aayog reports have revealed that thousands of schools across the country lack even basic facilities like drinking water and toilets for children. Teachers face a severe shortage and shortage, leading to protests across the country. The World Bank's "Learning Poverty Index" has risen to nearly 70% after the COVID-19 pandemic. This means that most 10-year-olds cannot read simple texts. Our education system teaches only rote learning, resulting in nearly 80% of graduates unable to find a decent job. A fundamental reason for rising unemployment is that our graduates.

Looking back: Age is just a measure of time, being 'old' isn't a negative identity.

Being 'old' isn't a negative identity. Growing older doesn'tn withdrawing from life, but rather understanding life's lessons, sharing them with others, and staying connected with those around you. When I was young, I desperately wanted to grow up quickly. But one day, someone addressed me as 'old' for the first time. To be honest, I didn't like it. And perhaps most of us feel the same way. In childhood, we're in a hurry to grow up, but not to reach the age where society starts calling us 'old'. One reason for this is that our mental image of old age is associated with weakness, loneliness, and the decline of life. However, over time, my thinking changed. I realized that being 'old' isn't a negative identity. It's a respect for the experiences that take a lifetime to gain. Experience and wisdom cannot be gained from a book or treatise. Life must be lived, mistakes made, and learning from them, while going through many ups and downs. We must pay special attention to three things. First, become the editor of our own lives. In the early years of life, we constantly accumulate things—responsibilities, accomplishments, relationships, recognition, and experiences. But a time comes when it becomes crucial to assess what is truly important to us and what has become a mere burden. Second, recognize our own mastery. What we have learned over the years is not just our personal experience. Our successes, mistakes, struggles can guide others. Therefore, we must share our experiences with the next generation. Third, and most importantly, stay connected to our people and community, because the importance of relationships and communication increases with age. For me, growing older does not mean withdrawing from life, but rather understanding the lessons learned throughout life, sharing them with others, and staying connected with those around me. After all, age is just a measure of time; the real thing is how much we have understood and lived life in that time.

If you've been defrauded, don't panic; file a complaint as soon as possible.

The question isn't why fraud happens, but rather what to do if you do happen. The sooner a complaint is filed, the greater the chance of getting your money back. Relieving the concerns of 72-year-old Ramesh from Meerut, who was a victim of cyber fraud, expert Mishra explained this... Digital transactions have made life much easier for ordinary citizens, especially the elderly. Tasks like pensions, banking, electricity bills, shopping, and money transfers can now be done from home using mobile phones. However, the risk of cyber fraud has also increased. Looking at data from the NCRB and cybercrime portals, thousands of people, especially the elderly, are falling victim to online fraud every day. Therefore, the question isn't why fraud happens, but rather what to do if fraud does occur, and is there any hope of getting your money back? Remember, in such cases, taking appropriate action can get your money back, provided you have the right information. Recognize the signs of fraud: Be cautious when an unknown person asks for money or bank-related information. For example, they may request money in the name of a job, prize, investment, insurance, electricity connection, or a government scheme. Even after you send the money, you are told the money hasn't arrived and pressured to send it again. Additionally, someone may send a fake message that appears to be a genuine bank account and tell you that money has been credited to your account by mistake. The fraudster may call you posing as a relative or acquaintance and ask you to send the money immediately. Sometimes, they may even pose as a bank official, police officer, CBI, Income Tax Department, or government official, intimidating you into sending the money. What to do first in case of cyber fraud: In case of cyber fraud, first call your bank's official helpline number and report the fraud. Ask the bank to take necessary action to stop the transaction or safeguard the funds. Get the number from the bank's official website or an official document, such as a passbook. Then, file a complaint on the National Cyber Crime Helpline number 1930 and then on the National Cyber ??Crime Reporting Portal cybercrime.gov.in. It's best for older adults to complete this process with the help of a trusted member. What if you receive a refund message but don't receive the money? Sometimes, you receive a refund processing message, but the money doesn't reach your bank account. In such a situation, go to the MRM portal (mrm-ncrp.mha.gov.in/public-info) and report it. This helps track the problem faster and ensures the pending refund reaches your account quickly. Remember, the sooner you file a complaint, the greater the chance of getting your money back. In today's digital age, vigilance is the best protection. However, if fraud still occurs despite vigilance, it's not impossible to get your money back by taking the right steps. - The author is a cybercrime intervention officer and cyber trainer. What happens after a complaint? The complaint first goes to I4C (Indian Cyber ??Crime). From there, it's forwarded to your nearest cyber cell within 12 to 24 hours. Then, if the fraudster hasn't yet withdrawn the money from the account, the cybercell immediately puts the funds on hold, preventing them from withdrawing. If the money has already been withdrawn, the complaint is sent to the local police station, where the person involved is traced and arrested, and asked to return the money. If the person returns the money, the money is returned to your account within a short time. If the person doesn't have theoney immediately, or if other people are involved, an investigation proceeds, and the perpetrator is given time to return the money. Legal action is also taken against them. Sometimes the full amount is returned, while other times, a partial settlement is reached. This depends entirely on the circumstances of the case, but one thing is certain: those who follow the correct procedures have a significantly increased chance of getting their money back. Information about this entire process is given to the complainant from time to time through messages or calls.

Gen-Z influence or political fear? Baba Ramdev spoke, Mayawati broke her silence!

The debate surrounding Gen-Z has now gone beyond the statements of politicians. Following Baba Ramdev, Mayawati's outspokenness shows that ignoring the new generation's questions is no longer easy. Gen-Z, once dismissed as the "gutter generation," has demonstrated such a forceful voice that many closed doors in politics have begun to open. When the new generation is difficult to understand, the easiest way is to defame them. Calling them the "gutter generation" instead of answering Gen-Z's questions is an example of this mentality. But this social media generation is not one to sit quietly. They questioned, protested, and demanded answers. The issue isn't just about unemployment, exams, or opportunities. It's also about the political arrogance that assumes young people will only listen to speeches and applaud.When Baba Ramdev spoke, the message was clear: Baba Ramdev's speaking in favor of Gen-Z is significant because, instead of dismissing the youth's questions, he emphasized the need to seek answers from the system. This signals a changing environment, in which it would be a political mistake to dismiss youth anger as mere social media noise. And then came another signal: Mayawati's silence also opened. Why did Mayawati break her silence?Mayawati's politics has long revolved around her traditional social base and electoral equations. But her speaking out on Gen-Z issues shows that no party can now ignore the political importance of the new generation. Mayawati raised issues like unemployment, reservation, and the future of youth. The message is clear: the youth, long considered merely a vote bank in politics, are now setting their own agenda. Closed-door politics versus an open digital generation: In the old political landscape, leaders spoke and the public listened. Gen-Z has reversed this equation. Now, the public asks, and leaders have to respond. This difference is the real challenge of new politics. Gen-Z isn't in the pocket of any single leader. It isn't a permanent asset of any party. It asks questions, trolls leaders, supports and opposes them with equal ferocity. Therefore, it's not easy to dismiss it. From Baba Ramdev to Mayawati—A warning bell for whom? Baba Ramdev's speech and Mayawati's breaking of silence aren't just two isolated statements. They are a warning to the political class. You can't silence Gen-Z by abusing them. You can't win their support by ignoring them. And you can't silence their questions by preaching to them. The generation with a mobile phone has both information and questions.

यूपी में गर्दन पकड़ रहा तेंदुआ: अब झुंड पर भी हमला कर रहे तेंदुए, शरीर का ये हिस्सा बचाना हुआ मुश्किल

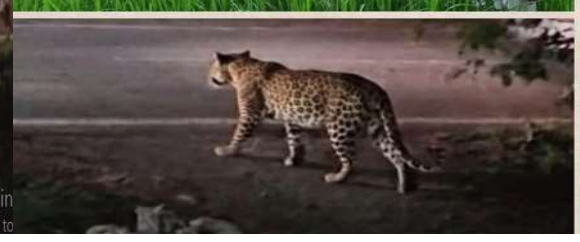

आदमखोर तेंदुए का आतंक: तीन महिलाएं बनीं शिकार, पहले संतोष, फिर ब्रह्मो और अब सिपाही की मां मिथिलेश की जान ली

मुरादाबाद में तेंदुओं के हमले लगातार जारी हैं। एक माह के भीतर तेंदुए तीन महिलाओं की जान ले चुके हैं। ठाकुरद्वारा के 36 गांव तेंदुआ प्रभावित घोषित हैं, जहां वन विभाग लोगों को समूह में जाने और शोर करने की सलाह दे रहा है।मुरादाबाद में तेंदुओं के बढ़ते हमलों को देख ग्रामीण खेतों पर समूह में जाने लगे हैं।

लेकिन इसके बावजूद भी आदमखोर के हमले थम नहीं रहे हैं। मंगलवार को बहापुर बलिया गांव में जब तेंदुए ने खेत में काम कर रहीं मिथिलेश पर हमला किया तो उस समय उनके पति समेत आसपास नौ लोग थे। 18 अगस्त को इसी गांव में जब ब्रह्मो देवी पर हमला किया था तब भी बीस लोग आसपास थे। लेकिन आदमखोर तेंदुआ फिर भी नहीं घबराया।

तेंदुआ गर्दन पकड़ता है और श्वांस नली काट देता है। तीन अगस्त से 25 अगस्त तक तेंदुए ने तीन महिलाओं की जान ली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक तीनों की ही गर्दन पकड़ी और श्वांस नली तोड़ डाली। ठाकुरद्वारा को तेंदुआ प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस इलाके के 36 गांव ऐसे हैं जहां तेंदुआ अक्सर आबादी या जंगल में नजर आता है। वन विभाग भी इन गांवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहा है कि समूह बनाकर खेतों पर जाएं। शोर करते रहें। तेंदुओं की बढ़ती दहशत के बीच ग्रामीणों ने समूह बनाकर जाना भी शुरू कर दिया है। लोग अब अकेले खेतों पर जाने से बच रहे हैं। लेकिन तेंदुए फिर भी नहीं डर रहे। बाहपुर बलिया गांव निवासी बृजपाल सिंह ने बताया कि खेत पर नौ लोग थे।

लेकिन तेंदुए ने फिर भी मिथिलेश पर हमला कर दिया। दीवान सिंह और नन्हें सिंह ने बताया कि सभी पास-पास खड़े थे। ऐसा भी नहीं है कि कोई दूरी रही हो। तेंदुए ने मिथिलेश की गर्दन पकड़ ली थी और खेत के भीतर ले जाने लगा था। जब लोग दौड़े तो वह छोड़कर भाग गया। लेकिन तब तक मौत हो गई थी।एटा में तैनात सिपाही रोहित कुमार की मां मिथलेश देवी की श्वांस नली तेंदुए ने काट दी थी। सिर और गर्दन पर आठ हमले किए थे। मंगलवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है। ठाकुरद्वारा के बाहपुर बलिया निवासी 45 वर्षीय मिथलेश अपने पति बृजपाल और गांव की अन्य महिलाओं और लोगों के साथ खेत से चारा लेने गईं थीं। तेंदुए के डर के कारण सभी लोग ग्रुप बनाकर गए थे बावजूद इसके तेंदुए ने मिथलेश पर हमला कर दिया था। मिथलेश अन्य महिलाएं और अपने पति के साथ चारा जुटा रही थीं। इसी दौरान तेंदुए ने हमला कर दिया और महिला की गर्दन दबा ली।गर्दन पर मोटा कपड़ा बांधकर जाएं लोग-लगातार बढ़ते हमलों के बीच वन विभाग के अफसर लोगों को बता रहे हैं कि जब भी खेतों पर जाएं तो मोटा कपड़ा गर्दन पर बांधकर जाएं। क्योंकि तेंदुआ गर्दन ही पकड़ रहा है। जब कपड़ा मोटा होगा तो उसके दांत श्वांस नली तक नहीं पहुंच सकेंगे।

डीएफओ डा. विनय कुमार सिंह का कहना है कि तेंदुआ गर्दन ही पकड़ता है। इसलिए लोगों को सलाह दी जाती है कि खेतों पर काम करते समय गर्दन पर मोटा कपड़ा पहने रहें। मंगलवार की घटना दुखद है। लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि बरसात के बाद समूह बनाकर भी खेतों में न जाएं। मौसम गर्म होने पर ही खेतों में जाएं। हाथ में दरांत या लाठी जरूर रखें। खेतों में लगातार शोर करते रहें। ठाकुरद्वारा के 15 गांवों में 21 पिंजरे लगाए गए हैं। - डॉ. विनय कुमार सिंह, डीएफओ

ठाकुरद्वारा के बहापुर बलिया गांव में तेंदुए ने खेत में घास काट रही मिथलेश देवी (45) पर पति और ग्रामीणों के सामने हमला कर मार डाला। 22 दिन में तेंदुए के हमले में यह तीसरी महिला की मौत है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत और वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है।मुरादाबाद जिले के बहापुर बलिया गांव में मंगलवार की सुबह तेंदुए ने पति के सामने ही महिला को मार डाला। मृतका का बेटा एटा में सिपाही है। 22 दिन के भीतर तेंदुए के हमले में तीसरी महिला की मौत से क्षेत्रवासी खौफजदा हैं। पहले तीन अगस्त को लालापुर पीपलसाना और फिर 18 अगस्त को बहापुर बलिया में तेंदुए ने महिला को मार डाला था। एकबार फिर बहापुर बलिया में मंगलवार को हुई घटना ने वनविभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। दहशतजदा क्षेत्रवासी भी कह रहे हैं कि आखिर वे कब तक वे तेंदुए का शिकार होते रहेंगे। ठाकुरद्वारा के गांव बहापुर बलिया में तेंदुए ने धान के खेत में पशुओं के चारे के लिए घास निकाल रहीं मिथिलेश देवी (45) पर घात लगाकर हमला कर दिया।इस दौरान मिथलेश देवी के पति बृजपाल सिंह सैनी समेत गांव के ही दीवान सिंह, जॉनी, नन्हे सिंह, दिनेश सिंह और गीता देवी भी आसपास मौजूद थे। महिला की चीख सुनकर सभी लोग लाठी-डंडे लेकर दौड़े लेकिन उनके सामने ही तेंदुए ने मिथिलेश को मार डाला और फिर भाग खड़ा हुआ। वहीं, मिथिलेश के साथ काम कर रहीं पुष्पा देवी तेंदुए को देखकर बेहोश हो गईं।उन्हें ग्रामीण घर ले गए, जहां करीब दो घंटे बाद होश आया। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। उनका कहना है कि हर मौत के बाद वन विभाग पिंजरा लगाने और तेंदुए को पकड़ने का भरोसा देता है लेकिन हमले थम नहीं रहे हैं। खेतों में काम करने जाना अब मौत को न्योता देने जैसा है। किसान और महिलाएं तेंदुए के डर से खौफजदा हैं लेकिन खेती का काम रोकना भी संभव नहीं है।घटना की सूचना पर डीएफओ डॉ. विनय कुमार सिंह, रेंजर, डिप्टी रेंजर समेत वन विभाग की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। बामुश्किल लोगों को समझाकर शांत कराया गया। शाम को मिथिलेश देवी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान बेटी कांता सैनी और स्वाती तथा सिपाही बेटे रोहित कुमार समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। एक माह के भीतर तीसरी घटना- खास बात यह है एक माह के भीतर तेंदुए ने तीनों महिलाओं को ही निशाना बनाया है। बहापुर बलिया गांव में तेंदुए के हमले से यह दूसरी महिला की मौत है। इससे पहले 18 अगस्त को इसी गांव में ब्रह्मो देवी (60) को तेंदुए ने मार डाला था। उस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम पर पथराव भी कर दिया था। इससे पहले तीन अगस्त को गांव लालापुर पीपलसाना में संतोष देवी को तेंदुए ने मार दिया था।बहापुर बलिया में तेंदुए के हमले वाले स्थान पर पिंजरा लगाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में तेंदुओं ने गन्ने के खेतों को अपना ठिकाना बना लिया है, इसलिए लगातार घटनाएं हो रही हैं। अब तक 10 तेंदुओं को हमने रेस्क्यू किया है। लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है, घटनाएं रोकने के लिए अभियान जारी है। - डॉ. विनय कुमार सिंह, डीएफओ

ईद मिलादुन्नबी जुलूस में आए 10 म्यूजिक सिस्टम, इमाम ने निकलने से किया इनकार; दो घंटे रुका जुलूस

रतनपुर कलां में ईद मिलादुन्नबी जुलूस डीजे विवाद के कारण दो घंटे रुका रहा, इमाम ने निकलने से मना किया। पुलिस और संभ्रांत लोगों के हस्तक्षेप से डीजे हटाए गए, जिसके बाद जुलूस शांतिपूर्वक निकाला गया।रतनपुर कलां में म्यूजिक सिस्टम के कारण जुलूस रुका इमाम ने म्यूजिक सिस्टम शामिल होने पर जुलूस रोका-पाकबड़ा में तिरंगे के साथ निकला शांतिपूर्ण जुलूसजश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर बुधवार को नगर पंचायत पाकबड़ा सहित आसपास के गांवों में जुलूसे मुहम्मदी निकाला गया। पाकबड़ा में जहां जुलूस में इस्लामिक झंडों के साथ तिरंगा भी शान से लहराया गया, वहीं रतनपुर कलां में म्यूजिक सिस्टम को लेकर जुलूस करीब दो घंटे रुका रहा। इमाम के पहले से किए गए एलान के बावजूद जुलूस में आठ-दस म्यूजिक सिस्टम पहुंच गए। इन्हें देखकर इमाम ने जुलूस निकालने से मना कर दिया। बाद में संभ्रांत लोगों और पुलिस के हस्तक्षेप से म्यूजिक सिस्टम वापस कराए गए, जिसके बाद जुलूस निकाला गया। इमाम सैय्यद मुफ्ती राहिद ने पहले ही एलान किया था रतनपुर कलां में इमाम सैय्यद मुफ्ती राहिद ने पहले ही एलान किया था कि जुलूस में म्यूजिक सिस्टम शामिल नहीं होंगे और नबी का जिक्र करते हुए जुलूस शांतिपूर्वक निकाला जाएगा। बुधवार को जुलूस की तैयारी के दौरान बुध बाजार में करीब आठ-दस म्यूजिक सिस्टम पहुंच गए। म्यूजिक सिस्टम देखकर इमाम ने जुलूस निकालने से मना कर दिया और मस्जिद से बाहर नहीं निकले। इसको लेकर ग्रामीणों और इमाम के बीच करीब दो घंटे तक बातचीत होती रही। बाद में पुलिस और संभ्रांत लोगों ने हस्तक्षेप कर सभी म्यूजिक सिस्टम वापस कराए। इसके बाद सुबह करीब दस बजे जुलूस निकाला गया। अन्य जगहों पर भी निकला जुलूस-वहीं नगर पंचायत पाकबड़ा में शनिवार के बाजार स्थित जामा मस्जिद से सुबह आठ बजे जुलूसे मुहम्मदी की शुरुआत हुई। हाफिज मु. अली ने नाते पाक पढ़ी। जामा मस्जिद के इमाम काजी शम्मे आलम की सदारत में जुलूस शनिवार का बाजार, मुल्लानो वाला, होली वाला कुआं, जुमेरात का बाजार, गनी नगर, पंचायत घर, दिल्ली सर्विस रोड, थाने के सामने से डींगरपुर अंडरपास, हाशमपुर चौराहा और कैलसा रोड होते हुए दोपहर में समाप्त हुआ।जुलूस में %सरकार की आमद मरहबा% के नारे गूंजते रहे। जगह-जगह लंगर कराया गया और फूल बरसाकर स्वागत किया गया। जुलूस में इस्लामिक झंडों के साथ युवाओं ने तिरंगा भी लहराया जुलूस में इस्लामिक झंडों के साथ युवाओं ने तिरंगा भी लहराया। समापन पर काजी शम्मे आलम ने देश में खुशहाली और कौम की तरक्की के लिए दुआ कराई। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान चेयरमैन मु. याकूब, सैय्यद नजीरुल कादरी, सूफी मुजीब आलम, शाहनवाज, जफर आलम, हाजी रियासत हुसैन, दानिश मलिक, दानिश कादरी आदि रहे।

मुरादाबाद के ग्रामीणों की खुली किस्मत: 11 करोड़ से चकाचक होंगी 7 सड़कें, देखें अपने गांव का नाम

मुरादाबाद के कुंदरकी और हसनपुर क्षेत्रों में मुख्यमंत्री ग्राम योजना के तहत 11 करोड़ रुपये की लागत से सात ग्रामीण सड़कों का निर्माण होगा। इन सड़कों से दर्जनों गांवों को मुख्य मार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और बरसात में होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी।गांवों की बदहाल और अधूरी राहों को अब नई मंजिल मिलने वाली है। मुख्यमंत्री ग्राम योजना के तहत कुंदरकी क्षेत्र में सात ग्रामीण मार्गों के निर्माण को शासन ने हरी झंडी दे दी है। इन सड़कों के निर्माण पर करीब 11 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़कें बनते ही दर्जनों गांवों के लोगों का मुख्य मार्गों तक पहुंचना आसान होगा और बरसात में कीचड़ व जलभराव से जूझने वाले ग्रामीणों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। 24 अगस्त को लोक निर्माण विभाग के अनुभाग-9 की ओर से जारी शासनादेश में प्रदेश के 637 नए सड़क कार्यों के लिए 1011.37 करोड़ रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। पहली किश्त के रूप में 341.48 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।इसी सूची में मुरादाबाद के कुंदरकी और हसनपुर क्षेत्र के कई ग्रामीण मार्ग शामिल हैं। कुंदरकी क्षेत्र में पौंडा मुस्तकम से मिलक गोसाईवाली संपर्क मार्ग का 1.15 किलोमीटर निर्माण 131.10 लाख रुपये में होगा। हसनगंज से मुड़िया भायपुर संपर्क मार्ग पर 1.20 किलोमीटर सड़क के लिए 160.54 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। इसी तरह दलपतपुर में एसएच-24 से मंगल बाजार होते हुए दलपतपुर-अलीगंज मार्ग तक एक किलोमीटर सड़क के निर्माण पर 148.88 लाख रुपये खर्च होंगे।चंदौसी मार्ग नर्सरी के पास से नूरपुर की मिलक तक 1.10 किलोमीटर सड़क के लिए 160.26 लाख रुपये मंजूर हुए हैं।उदयपुर चंदन में जूनियर हाईस्कूल से बसेरा खास पीडब्ल्यूडी रोड तक सड़क निर्माण पर 174.56 लाख रुपये और नानपुर में भूकन के घर से कुंदरकी-बिलारी सड़क तक एक किलोमीटर मार्ग पर 183.15 लाख रुपये खर्च होंगे। जैतिया सादुल्लापुर मोड़ से खरगपुर बाजे, कुली वाली मिलक होते हुए हृदयपुर सिकंदरपुर पट्टी मार्ग तक 1.11 किलोमीटर सड़क के लिए 159.86 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। शासनादेश में हसनपुर क्षेत्र के ग्रामीण मार्गों के लिए भी करोड़ों रुपये मंजूर किए गए हैं। अगरौला कलां तिराहे से पतलेपुर, सोहरका से अलीपुर मिलक, अलीपुर खादर से रखेड़ा, लिगरिया नादिर शाह-सिकंदराबाद, शहाबाजपुर डोला से पीतमपुरा, शहाबाजपुर डोला से खरगरानी और राजपुर मंदिर से भटौला मार्ग के निर्माण को स्वीकृति मिली है। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता कमला शंकर ने बताया कि मार्गों के बनने से गांवों की मुख्य सड़कों से कनेक्टिविटी मजबूत होगी। खासकर किसानों को मंडी और ग्रामीणों को बाजार, स्कूल, अस्पताल तथा तहसील मुख्यालय तक पहुंचने में सहूलियत मिलने की उम्मीद है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य जमीन पर कितनी तेजी से शुरू होता है।

संक्षिप्त समाचार

रक्षाबंधन पर रोडवेज ने बढ़ाए 410 अतिरिक्त चक्कर, महिलाओं के साथ एक सहयात्री भी कर सकेगा फ्री सफर

त्योहार पर यात्रियों के लिए खास तैयारी, दिल्ली-हल्द्वानी और हरिद्वार के लिए चलेंगी स्पेशल बसें रक्षाबंधन पर यूपी रोडवेज ने मुरादाबाद से 410 अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है। महिलाएं एक सहयात्री के साथ फ्री सफर कर सकेंगी।

क्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई के घर राखी बांधने जाने वाली बहनों को उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम ने बड़ी सौगात दी है। त्योहार पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए मुरादाबाद मंडल प्रबंधन ने 26 से 31 अगस्त तक 410 अतिरिक्त बसें संचालित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, शासन के निर्देशानुसार महिला यात्री अपने साथ एक सहयात्री को भी निशुल्क यात्रा करा सकेंगी। दिल्ली, हरिद्वार और हल्द्वानी के लिए चलेंगी स्पेशल बसें-परिवहन निगम के सेवा प्रबंधक अनुराग यादव ने बताया कि रक्षाबंधन के प्रोत्साहन अवधि (26 से 31 अगस्त) के दौरान मुरादाबाद मंडल के प्रत्येक डिपो से बसों की उपयोगिता का कुल लक्ष्य 410 अतिरिक्त ट्रिप निर्धारित किया गया है। मुरादाबाद, पीतल नगरी, रामपुर, अमरोहा, बिजनौर और नजीबाबाद समेत विभिन्न डिपो से ये अतिरिक्त चक्कर लगाए जाएंगे। यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए आनंद विहार, कौशाम्बी, कश्मीरी गेट, हरिद्वार, बरेली और हल्द्वानी जैसे प्रमुख स्टेशनों के लिए अतिरिक्त ट्रिप संचालित करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। अनुबंधित बसों के चक्कर भी यात्रियों की मांग के आधार पर बढ़ाए जाएंगे।भीड़ वाले मार्गों पर की गई है खास व्यवस्था-सेवा प्रबंधक ने बताया कि डिपो निरीक्षक और स्टाफ लगातार स्थिति की निगरानी करेंगे। मुरादाबाद डिपो से कौशांबी और रामनगर के लिए 10 बसों के अतिरिक्त चक्कर बढ़ाए गए हैं। वहीं, मुरादाबाद, पीतल नगरी, रामपुर और अमरोहा डिपो से दिल्ली, कौशांबी और हल्द्वानी के लिए 38 अतिरिक्त बसें चक्कर लगाएंगी। मुरादाबाद, पीतल नगरी, रामपुर और अमरोहा से दिल्ली, कौशांबी, बरेली के लिए 46 बसें अतिरिक्त फेरे लेंगी। भीड़ वाले मार्गों पर यात्री सुविधा के अनुसार मार्ग परिवर्तन और अतिरिक्त बसों का स्थानांतरण भी किया जा सकेगा। राखी बनाओ प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा- मुरादाबाद में मंगलवार को स्वदेशी जागरण मंच के महिला प्रकोष्ठ की ओर से मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज में %राखी बनाओ प्रतियोगिता% का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को दो वर्गों (कक्षा 6 से 9 और कक्षा 10 से 12) में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि व निर्णायक दल में शामिल राजेंद्र कौर, डॉ. शिल्पा दत्त मलिक और नीतू यादव ने दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इसके अलावा चार छात्रों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रांत संयोजक अंजू त्रिपाठी, जिला प्रमुख मीनू विज, महानगर प्रमुख नीलम जैन और नवनियुक्त जिला प्रचार प्रमुख शीतल राजपूत सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहीं।

टूटी सड़कें लगा रहीं स्मार्ट सिटी के दावों पर दाग, गड्ढों में हिचकोले खा रहे स्कूली वाहन और एंबुलेंस

मुरादाबाद में स्मार्ट सिटी के दावों की पोल खोलती टूटी सड़कें आम लोगों के लिए मुसीबत बन गई हैं। डीएम ने मरम्मत के सख्त निर्देश दिए हैं। महानगर की कई प्रमुख कॉलोनियों और गलियों की खस्ताहाल सड़कें स्मार्ट सिटी के दावों की पोल खोल रही हैं। मुख्य मार्गों से लेकर अंदरूनी गलियों तक सड़कें जर्जर हालत में हैं। गहरे गड्ढों के बीच से वाहन हिचकोले खाते हुए गुजरने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और मरीजों को हो रही है, क्योंकि स्कूल वैन और एंबुलेंस भी इन गड्ढों में फंसकर हिचकोले खा रही हैं। मुख्यमंत्री के सख्त आदेशों के बावजूद सड़कों के गड्ढामुक्त न होने से नागरिकों की मुश्किलें बरसात के मौसम में और भी बढ़ गई हैं। इन इलाकों में बदहाल है सड़कों की स्थिति- महानगर के कई पॉश और सामान्य इलाकों में सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। संस्थाओं पर सख्त कार्रवाई होगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रक्षाबंधन पर मातृशक्ति को योगी सरकार का बड़ा तोहफा

60 प्लस महिलाओं की बस यात्रा फ्री

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के शुभारंभ के साथ प्रदेश की मातृशक्ति को बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के जुपिटर हॉल, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से योजना का शुभारंभ करते हुए विशेष बसों को फ्लैग-ऑफ किया। योजना के तहत 60 वर्ष एवं इससे अधिक आयु की महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई है।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर माताओं, बेटियों और बहनों को भी एक सहयोगी सहित 27 अगस्त सुबह 6 बजे से 29 अगस्त रात 12 बजे तक निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी।

बरेली के आईएमए ऑडिटोरियम में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष आंवला आदेश प्रताप सिंह और जिलाधिकारी अविनाश सिंह समेत प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने मातृशक्ति को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए करीब एक हजार महिलाओं को साड़ी और मिष्ठान वितरित किया। वहीं महिला पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। परिवहन विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बरेली एवं रुहेलखण्ड डिपो सहित पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

गर्भवती गाय की भाला मारकर हत्या, जंगल में फेंका शव।

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता। थाना भुता क्षेत्र के ग्राम विशेषरपुर में एक गर्भवती गाय की कथित रूप से भाला मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में घूम रही गाय को हरीश, मथुरा प्रसाद और तीन अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर भाला मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोप है कि इसके बाद शव को ट्रैक्टर से ले जाकर गांव से काफी दूर सुनसान जंगल में फेंक दिया गया।

ग्रामीणों के मुताबिक घटना दिन में करीब दो बजे की है। सूचना मिलने पर भुता थाने के क्राइम इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। वहीं, अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेना के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। हालांकि थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गाय की मौत का मामला संदिग्ध लग रहा है। गाय का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की जाएगी और जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक सम्मत कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

12 वीं रबी उल अव्वल पर धूमधाम से मनाया गया जश्न, जुलूस और महफिले मिलाद 12 वफात का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ भुता। थाना भुता क्षेत्र में 12वीं रबी उल अव्वल का पर्व मुस्लिम समाज के लोगों ने हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया। इस मौके पर लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया और जरूरतमंद व गरीब लोगों की मदद भी की। हुजूर-ए-अकरम हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश के मौके पर क्षेत्र में जुलूस भी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और धार्मिक नारों के साथ खुशी का इजहार किया। शाम को विभिन्न स्थानों पर महफिले मिलाद का आयोजन किया गया, जिसमें नात-ए-पाक और तकरीरें पेश की गईं। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना भुता प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। पुलिस ने जुलूस के मार्ग और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। अधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

प्रशिक्षण मे भाषा और गणित विषय की मजबूती पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। एफएलएन प्रशिक्षण के प्रथम बैच का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण मे ब्लॉक के कुल 100 शिक्षकों ने प्रतिभाग कर निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और बच्चों में आधारभूत भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को विकसित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त किया। ये प्रशिक्षण कस्बे के हाईवे किनारे स्थित एक स्कूल पर आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियों, कार्य पुस्तिकाओं, शिक्षक डायरी, शिक्षक संदर्शिका तथा नवीन शिक्षण तकनीकों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। एआरपी आशीष शर्मा, संगीता मित्तल, राजीव वैश्य, पूजा चौधरी, भगवान दास गंगवार ने अपने अपने विषयों का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी ढंग से लागू करने के तौर-तरीके भी बताए गए। बीईओ भानुशंकर गंगवार ने शिक्षकों से प्रशिक्षण को अपने-अपने स्कूलों में प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही। इस दौरान शिक्षक एवं शिक्षिकाएं आदि उपस्थित रहे।।

फतेहगंज पश्चिमी में ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की 1501वीं सालाना विलादत के मुबारक मौके पर कस्बे और थाना क्षेत्र में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी अकीदत, मोहब्बत और शानो-शौकत के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे, नौजवान, बुजुर्ग और अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस के दौरान अमन, मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम दिया गया। जगह-जगह लंगर का भी आयोजन किया गया।

सुबह से ही कस्बे की फिजाओं में नात-ओ-सलाम की सदाएं गूंजने लगीं। मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों पर महफिल-ए-नात का सिलसिला चलता रहा। घरों, दुकानों और गलियों को झंडियों, रंग-बिरंगी रोशनियों और परचमों से सजाया गया था, जिससे पूरे कस्बे में रूहानी और पुरनूर माहौल नजर आया। सुबह करीब नौ बजे जामा मस्जिद, गौसिया मस्जिद, कादरी मस्जिद समेत विभिन्न मस्जिदों और मदरसों से अंजुमनें अपने-अपने इलाकों से जुलूस की शक्ल में रवाना हुईं। जुलूस में शामिल लोग नात-ए-पाक और सलाम पेश करते हुए आगे बढ़े। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में जुलूस को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

जुलूस कस्बे के मुख्य मार्गों से होता हुआ मुख्य मार्ग पर पहुंचा, जहां विभिन्न अंजुमनों का एडवोकेट इमरान अंसारी व अन्य लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद जुलूस लोधीनगर चौराहे पर पहुंचा, जहां उलमा-ए-किराम ने तकरीरें पेश करते हुए पैगम्बर-ए-करीम की सीरत-ए-पाक पर रोशनी डाली और उनके बताए अमन, भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत के रास्ते पर चलने की अपील की। इसके बाद जुलूस बिजलीघर पहुंचा, जहां दुआ-ए-खैर के साथ जुलूस का समापन हुआ।दोपहर बाद थाना क्षेत्र के गांव कुरतरा, अगरास, सोरहा, रुकुमपुर, माधौपुर माफी, रसूला चौधरी, इस्लामनगर, ठिरिया खेतल में भी जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। सभी स्थानों पर जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। कई जगह लोगों ने लंगर का आयोजन कर अकीदतमंदों को भोजन वितरित किया। जुलूस में उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार और चौकी प्रभारी आदेश कुमार पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए। पुलिस टीम ने जुलूस मार्गों पर निगरानी रखते हुए शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखा। जुलूस में सभी मस्जिदों के इमाम और विभिन्न अंजुमनों के पदाधिकारियों के अलावा एडवोकेट इमरान अंसारी, सरदार अजहरी, राजा भाई, असद अंसारी, मोहम्मद शरीफ, अमान अंसारी, फैजुल अंसारी, नावेद कादरी, असजद अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।।

बरखेड़ा में 450 लाभार्थियों को मिले 850 सहायक उपकरण, महिला महाविद्यालय खोलने की घोषणा

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ बरखेड़ा। पीलीभीत विकास खंड बरखेड़ा के ब्लॉक परिसर में मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जिला इकाई पीलीभीत के संयुक्त तत्वावधान में सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को लगभग 41 लाख रुपये की लागत के सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शिविर में 450 चयनित लाभार्थियों को कुल 850 सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जबकि पूरे विकास खंड बरखेड़ा में 2,593 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। लाभार्थियों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, वॉकर, कमोड व्हीलचेयर, स्टूल कमोड, नी-ब्रेस, एलएस बेल्ट, सर्वाइकल कॉलर, सिलिकॉन फोम तकिया तथा अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद जी ने लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए। अपने संबोधन में उन्होंने बरखेड़ा क्षेत्र में महिला महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उनकी इस घोषणा का उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष हरद्वारी लाल, जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी सुरेशपाल मौर्य, खंड विकास अधिकारी लियाकत अली, एडीओ पंचायत नजरुल हसन, प्रबंधक सुखवीर सिंह भदौरिया, मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप, दीपक सूर्यवंशी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रुदपाल गंगवार ने किया। शिविर में अधिकारियों ने कहा कि सरकार की इस योजना का उद्देश्य दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके जीवन को अधिक सुगम और सम्मानजनक बनाना है।

री-मेडिकल में पास कराने का झांसा पड़ा भारी, मिलिट्री इंटेलिजेंस की सूचना पर ठग गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। अग्निवीर भर्ती के अभ्यर्थियों को री-मेडिकल में पास कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले आरोपी को थाना कैण्ट पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को सेना में हवलदार पद पर कार्यरत/सेवानिवृत्त बताकर अभ्यर्थियों से संपर्क करता था और सेना अधिकारियों व मेडिकल स्टाफ से संबंध होने का दावा करता था। गोपनीय सूचना के आधार पर 25 अगस्त को मिलिट्री अस्पताल, बरेली के पास घेराबंदी कर राजेश

तिवारी पुत्र राम सुख तिवारी, निवासी कृष्ण विहार कॉलोनी, आईआईएम रोड, मुबारकपुर, थाना सैरपुर, लखनऊ, उम्र करीब 36 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथी गजेन्द्र सिंह के साथ मिलकर अभ्यर्थियों से रकम ऐंठता था। आरोपी के कब्जे से फर्जी सेना की मोहर, मोबाइल फोन, अभ्यर्थियों का विवरण दर्ज रजिस्टर, फर्जी/कूटरचित कॉल-अप लेटर, रेफरल फार्म एवं अन्य अभिलेख बरामद हुए। पूछताछ और मोबाइल की जांच में अभ्यर्थियों से संबंधित दस्तावेज, व्हाट्सऐप चैट तथा बैंक लेन-देन के साक्ष्य भी मिले हैं। मामले में थाना कैण्ट, बरेली में मु0अ0सं0 417/26, धारा 318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में थाना कैण्ट पुलिस, एसओजी-द्धद्ध और मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम शामिल रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रामगंगा के पास एक किलो से ज्यादा अफीम बरामद, तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर फरीदापुर रोड स्थित मदर्स पब्लिक स्कूल के पीछे से एक तस्कर को गिरफतार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 151 ग्राम अवैध अफीम बरामद की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी सुरेश गुप्ता (60) निवासी ग्राम नौनी टिकनना, थाना दातागंज, बदायूं है। पूछताछ में आरोपी ने रामगंगा स्टेशन के पास एक अज्ञात व्यक्ति से अफीम खरीदकर राहगीरों को बेचने की बात बताई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 588/26, धारा 8/18 हृष्ठक्क एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी थाना कोतवाली बरेली में हृष्ठक्क एक्ट का मुकदमा दर्ज है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार, एसआई रोबिन सिंह , आरक्षी अंकित नागर सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

अनिल अग्रवाल प्रदेश संयुक्त महामंत्री, सतीश अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की प्रदेश स्तरीय कोर कमेटी की बैठक में व्यापारी नेता सतीश अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष और बरेली के जिलाध्यक्ष अनिल अग्रवाल को प्रदेश संयुक्त महामंत्री का दायित्व सौंपा गया। कानपुर में हुए प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में 45 जिलों से पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को लेकर प्रदेश स्तर पर आंदोलनात्मक एवं संगठनात्मक रणनीति तैयार की गई। बैठक में मंडी परिषद की जियो-टैगिंग व्यवस्था को लेकर व्यापारियों ने आपत्ति दर्ज कराई। प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा ने कहा कि वर्तमान जियो-टैगिंग व्यवस्था से प्रदेश के व्यापारियों को व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से दलहन, तिलहन, गल्ला, सब्जी, गुड़ एवं अन्य कृषि आधारित व्यापार से जुड़े व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडी गेट पास, ई-वे बिल और जियो-टैगिंग की प्रक्रियाओं में तालमेल की कमी से व्यापार एवं माल के आवागमन में कठिनाइयां पैदा हो रही हैं। प्रदेश संयुक्त महामंत्री एवं जिला अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश संगठन द्वारा दी गई नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाते हुए वह व्यापारियों को एकजुट करेंगे। साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में संगठन का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता होगी।

रक्षाबंधन पर 16 घंटे रहेगी भारी वाहनों की नो-एंट्री 9 जानें डायवर्जन रूट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक यातायात ने प्लान जारी करते हुए बताया कि 28 अगस्त 2026 को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक, शहर में भारी वाहनों के आवागमन पर रोक रहेगी। यह व्यवस्था त्योहार के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए लागू की जा रही है। पहला डायवर्जन- परसाखेड़ा रोड नंबर-01, विलमा, विलयधाम, लालपुर कट, नवदिया झादा, ट्रांसपोर्टनगर, सैटेलाइट तिराहा, बुखारा मोड़ और रामगंगा तिराहा से शहर की ओर आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। दूसरा डायवर्जन- दिल्ली, रामपुर, नैनीताल और पीलीभीत की तरफ से बरेली आने वाले भारी वाहन, जिन्हें बरेली आना है, वे झुमका तिराहा से परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र रोड नंबर-01 तक जाएंगे और बड़े बाईपास से इन्वर्टिस तिराहा होते हुए ट्रांसपोर्टनगर तक आ-जा सकेंगे। तीसरा डायवर्जन- दिल्ली, रामपुर, नैनीताल और पीलीभीत रोड की तरफ से आने वाले जिन भारी वाहनों को लखनऊ की ओर जाना है, वे झुमका तिराहा से विलमा, विलयधाम और इन्वर्टिस तिराहा होते हुए आगे जा सकेंगे। वापसी के लिए भी इसी मार्ग का इस्तेमाल किया जा सकेगा। चौथा डायवर्जन- दिल्ली, नैनीताल और पीलीभीत रोड की तरफ से आने वाले जिन भारी वाहनों को बदायूं की ओर जाना है, वे बड़ा बाईपास, इन्वर्टिस तिराहा और फरीदपुर से बुखारा मोड़ होते हुए बदायूं की तरफ जा सकेंगे। वापसी में भी इसी मार्ग का प्रयोग किया जा सकेगा। पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अकमल खां ने आमजन से अपील की है कि ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करें

योग परिवार संगठन ने सौरभ गुप्ता व कंचन चौधरी का किया अभिनंदन

बिलारी, क्यूँ न लिखूँ सच / बिलारी योगशाला में योग परिवार संगठन के तत्वावधान में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान सावन के पवित्र मास में बृजघाट धाम से पैदल कांवड़ लाकर गंगाजल से भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक करने वाले सौरभ गुप्ता एवं कंचन चौधरी का योग परिवार संगठन की ओर से संयुक्त रूप से अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर योगी भाइयों-बहनों एवं योग साधकों ने दोनों की धार्मिक आस्था और सेवा भावना की सराहना की। कांवड़ यात्रा के बाद सौरभ गुप्ता एवं कंचन चौधरी के परिवार की ओर से प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में योग परिवार संगठन के पदाधिकारी, योग साधक एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नबी की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा

बिलारी,क्यूँ न लिखूँ सच / तहसील के सीमांत गांव सिसौना में ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर रिवायती जुलूस निकाला गया, जिसमें गांव के अधिकांश लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस अवसर पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व्यवस्था भी उचित रही। लोगों ने नए-नए परिवेश परिधानों में जुलूस में शिरकत कर नबी की मोहब्बत का इजहार किया इस अवसर पर जगह-जगह लोगों ने बहुत बड़े स्तर पर केले, सेब अन्य मिठाई का भरपूर इंतजाम कर तक्सीम किया इस अवसर पर दोनों मस्जिदों यानी के जामा मस्जिद के इमाम व मदीना मस्जिद के इमाम दोनों ने सामूहिक रूप से जुलूस का नेतृत्व किया जुलूस बहुत ही उम्दा तरह से अपने निर्धारित मार्गो से होते हुए अपने अंतिम पड़ाव यानी के मजार पर जाकर दुरूद और सलाम के बाद खत्म हुआ इस दौरान पूरे गांव के लगभग सभी लोग इस प्रोग्राम में अपने हैसियत के मुताबिक सम्मिलित होकर जुलूस की शान में इजाफा करते रहे हैं । इनमें मुख्य रूप से जाबिर हुसैन, मास्टर रईस कुरैशी, मोहम्मद शावेज उर्फ गुड्डू, नाजिर हुसैन, खालिद ज़मा खां उर्फ़ बब्बू भाई पूर्व प्रधान व जिला पंचायत सदस्य, इक़बाल शाह प्रधान, जावेद हुसैन,सरफ़राज़ हुसैन पूर्व प्रधान,अनवर हुसैन सदस्य ग्राम पंचायत, फहीम कुरैशी सदस्य ग्राम पंचायत, तंजीम हुसैन सीएससी संचालक, मौहम्मद आफ़ाक खान डी आर एक्स,अली ज़ैगम खान शास्त्री उपसंपादक हिंदी दैनिक आचार्य वाणी, अली जरगाम खान शास्त्री उप संपादक संस्कृत साप्ताहिक स्मृतम्, अली जैनुल आबेदीन खां शास्त्री उप संपादक आचार्य वाणी हिंदी साप्ताहिक, दिलशाद शाह, वारिस हुसैन, शफ़ीक हुसैन, रागिब हुसैन, राशिद हुसैन, मौलाना मोहम्मद आसिफ, मौलाना आसिम, बाबू

उवैस, पुत्तन सैफी, शाकिर सैफी, शाकिर अब्बासी वगैरा लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

ईद मिलादुन्नबी के जलसे में अमन और भाईचारे का संदेश

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। मोहल्ला वाड़ा में ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आयोजित जलसे में पूर्व सदस्य कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार वाजिद हुसैन एडवोकेट ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब का पैगाम इंसानियत, अमन, भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम है। उन्होंने पूरी दुनिया को बच्चों से प्यार करने, महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा गरीबों और

मजलूमों के प्रति हमदर्दी के साथ पेश आने की सीख दी। इस मौके पर मोहल्ला वाड़ा के लोगों ने वाजिद हुसैन एडवोकेट को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। सभी ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर जावेद अहमद, रिजवान अहमद, शरीफ अहमद, रईस अहमद, जहीर अहमद, शानू, मोहम्मद हुसैन, नासिर हुसैन, आसिफ हुसैन, युसूफ मुल्लाजी, मतलब मुल्लाजी, हुदा वाजिद आदि मौजूद रहे।

बिलारी में शानो-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, गूंजी 'सरकार की आमद मरहबा' की सदाएं

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर नगर में जुलूस-ए-मोहम्मदी शानो-शौकत और उत्साह के साथ निकाला गया। जुलूस की लंबाई दो किलोमीटर से अधिक रही, जिसमें बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जुलूस के दौरान 'सरकार की आमद मरहबा', 'आका की आमद मरहबा' और 'मदनी की आमद मरहबा' की सदाएं गूंजती रहीं। लोग हाथों में इस्लामी परचम और कलमा लिखे झंडे लेकर चल रहे थे, जबकि कई स्थानों पर तिरंगे भी दिखाई दिए। जुलूस में ऊंट और घोड़ों पर सवार बच्चे आकर्षण का केंद्र रहे। काबा शरीफ, हुजूर के रोजे और अन्य धार्मिक स्थलों के आकर्षक मॉडल भी लोगों का ध्यान खींचते रहे। नगर के मोहल्ला अंसारियान स्थित मदरसा अंजुमन अहले सुन्नत परिसर से जामा मस्जिद के इमाम मौलाना हामिद रजा नईमी की सदारत में जुलूस की शुरुआत हुई। जुलूस फुलवार वाली मस्जिद, मदरसा चमन-ए-मुस्तफा, मदरसा फैज-ए-मुस्तफा, मोहल्ला ठाकुरान स्थित गल्ला स्टोर, बाजार, पुरानी तहसील, रजिस्ट्री कार्यालय, पौड़ा खेड़ा मंदिर, शाहाबाद रोड, महाराणा प्रताप चौक, कोतवाली, बस अड्डा, नई सड़क, सर्राफा मार्केट और नेहरू चौक सहित निर्धारित मार्गों से होता हुआ मोहल्ला अब्दुल्ला वाड़ा पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में मदरसा चमन-ए-मुस्तफा, मदरसा फैजुल उलूम, मदरसा दारुल उलूम गौस-ए-आजम, मदरसा गुलशन-ए-फातिमा सहित विभिन्न मदरसों के छात्र नात-ए-शरीफ पढ़ते हुए चल रहे थे। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा पानी, फल, मिठाई और तबर्रुक का वितरण किया। घरों और जुलूस के दौरान करीब 110 कुंतल से अधिक तबर्रुक वितरित किए जाने का अनुमान है। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात रहा। कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था संभाली और हाईवे पर एक लेन से यातायात संचालित कर दूसरी लेन से जुलूस को सुरक्षित तरीके से गुजारा। जुलूस में सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने भी शिरकत की और लोगों को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। विधायक ने कहा कि पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब का जीवन पूरी इंसानियत के लिए मोहब्बत, भाईचारे, अमन और इंसाफ का संदेश देता है तथा उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारा मजबूत किया जाना चाहिए। इसके अलावा हाजी रईस आलम, कपड़ा मंत्रालय के पूर्व सदस्य वाजिद हुसैन अंसारी, मुजफ्फर हुसैन, जुलूस कमेटी अध्यक्ष हाजी मोहम्मद रफी उर्फ राजू, मोहम्मद रिजवान सैफी, कारी नासिर रजा, मौलाना सईद अख्तर, मौलाना खलील अहमद, मौलाना गुलाम अशरफ, मौलाना आदिल रजा, सैयद गुलाम जिलानी, मौलाना फैसल रजा, मौलाना अतहर नईमी, मौलाना फैजान रजा, हाफिज कमाल अकबर, हाफिज जमाल अकबर, मौलाना वसीम, कारी शकील अहमद, हाफिज मकबूल हुसैन, सलीम ट्रेवल्स, पूर्व सभासद कासिम अंसारी, हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, हाजी मोहम्मद इमरान, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आतिफ कमाल एडवोकेट, हाजी मोहम्मद मोहसिन पाशा आदि मौजूद रहे। वहीं सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने क्षेत्र के रुस्तम नगर सहसपुर और स्योंडारा में भी जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल होकर लोगों को मुबारकबाद दी। रुस्तम नगर सहसपुर में जुलूस बड़ी मस्जिद से सुबह करीब दस बजे शुरू होकर बुर्ज चौक, नीम के नीचे, ब्लॉक के सामने और नई बस्ती से होता हुआ निर्धारित स्थान पर पहुंचकर समाप्त हुआ। स्योंडारा में भी विधायक ने जुलूस में शामिल होकर आयोजकों और क्षेत्रवासियों का उत्साह बढ़ाया। थांवला गांव में हाजी इकरार हुसैन की देखरेख में कुरैशियान मस्जिद से पारंपरिक जुलूस निकाला गया, जो पचपेड़ा वाले कब्रिस्तान और पड़ाव से होकर वापस कुरैशियान मस्जिद पहुंचकर संपन्न हुआ। इसमें आबिद, हाजी जाबिर चौधरी, मुन्ना कुरैशी, मत्तन पहलवान, आकिल, वाजिद, हाजी अख्तर और हाजी जर्रार आदि शामिल रहे। मोहम्मद इब्राहिमपुर में जुलूस-ए-मोहम्मदी मदरसा अजीमुल उलूम से शुरू होकर पूरे गांव में भ्रमण करता हुआ जामा मस्जिद पर पहुंचकर संपन्न हुआ। इसमें हाजी मोहम्मद उस्मान, सुभान रजा अशरफी और तीनों मस्जिदों के इमाम सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके अलावा सिहाली माला, पीपली चक, सिसौना, नौसना, देवीपुरा, देवीपुरा नगला, खाबरी अब्बल, शेरपुर माफी, चांदपुर गनेश, मुड़िया भीकम और स्योंडारा सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भी जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाले गए। सभी स्थानों पर लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जश्ने ईद मिलादुन्नबी मनाया और अमन, भाईचारे तथा सौहार्द का संदेश दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मुंडिया राजा में शानो शौकत के साथ निकला जुलूस ए मोहम्मदी

क्षेत्र के ग्राम मुंडिया राजा में मदीना मस्जिद से जुलूस ए मोहम्मदी की शुरुआत परंपरागत रूप से हुई। इस दौरान विभिन्न मार्गों से होता हुआ जुलूस मदीना मस्जिद पर आकर ही समाप्त हुआ। इस दौरान मुख्य रूप से मदीना मस्जिद के इमाम हाफ़िज़ इरशाद हुसैन, हाजी हसमत अली, शमशाद प्रधान, सत्तार अली, सगीर मलिक, इरशाद हुसैन, नन्हे इदरीसी आदि शामिल रहे।

नगर पंचायत भोजपुर में अकीदत व मोहब्बत के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का जश्न

भोजपुर। नगर पंचायत भोजपुर धर्मपुर समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की पैदाइश की खुशी में नगर में जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत कर मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम दिया। भोजपुर में रिवायती जुलूस अपने अपने निर्धारित मार्गों से जामा मस्जिद से शुरू होकर खद्दर बाजार, झादेवाला, मनिहारान, फतेहपुरी, बगिया वाला, नावपुर, घास मंडी और बस स्टैंड होते हुए मदरसा फैजे रसूल के निकट स्थित ईदगाह मैदान पहुंचा, जहां जुलूस समारोह में तब्दील होकर समापन हुआ। रास्ते भर लोगों ने अकीदत का इजहार किया और जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की। इस अवसर पर उलेमाओं ने दिया इंसानियत और जरूरतमंदों की मदद का संदेश जुलूस के दौरान उलेमाओं ने पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब की जिंदगी और उनकी शिक्षाओं पर रोशनी डालते हुए कहा कि उन्होंने पूरी दुनिया को इंसानियत, अमन, मोहब्बत, भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से उनकी शिक्षाओं और बताया हुए रास्ते को अपने जीवन में उतारने की अपील की। नगर इमाम भोजपुर मौलाना हनीफ मिस्बाही ने तकरीर करते हुए भोजपुर की आवाम से गरीबों, बेसहारा और बीमार लोगों की मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक आटा, चावल और अन्य खाद्य सामग्री पहुंचाई जाए। बीमार लोगों को भोजन के साथ दवाइयां मुख्या कराई जाएं और गरीब बेटियों की शादियों में मदद की जाए। उन्होंने कहा कि विवाह, जन्मदिन और अन्य आयोजनों में दिखावे और फिजूलखर्ची से बचकर उस धन को दीनी मदरसों और दुनियावी शिक्षा प्राप्त कर रहे यतीम एवं गरीब बच्चों की पढ़ाई पर खर्च किया जाए। सांसद रुचि वीरा ने मुबारकबाद दी। कार्यक्रम में पहुंचीं मुरादाबाद की सपा सांसद रुचि वीरा ने जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की और लोगों से आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति बनाए रखने की पुरजोर अपील की। नगर पंचायत चेयरमैन पुत्र अर्शमान अंसारी ने भी मंच से लोगों को जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की। जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। इंस्पेक्टर शरद मलिक, वरिष्ठ उप निरीक्षक महेश कुमार मलिक, क्राइम इंस्पेक्टर विनोद यादव, कस्बा चौकी प्रभारी अनुज कुमार समेत पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में पूरी तरह तैनात रहे। पुलिस टीम द्वारा जुलूस के दौरान लगातार निगरानी रखी गई और शांतिपूर्ण माहौल में कार्यक्रम संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

देवपुरा नगला में जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस

बिलारी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम देवपुरा नगला स्थित जामा मस्जिद में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुल्क की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआ की गई।

गांव में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस निकाला गया, जिसमें छोटे-बड़े बच्चों सहित ग्रामीणों ने भाग लिया। जुलूस के दौरान सरकार की आमद मरहबा के नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम में हाफिज इमाम खुर्शीद आलम साहब ने हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौमे पैदाइश के सिलसिले में बयान करते हुए लोगों से नेक रास्ता अपनाने और बच्चों को तालीम दिलाने पर जोर दिया। इस दौरान वसीला फातिमा, अबू उमर, उजैफा, सिदरा, इफा, सोनी, जूबी, नूर बानो, हैदर अली, कासिम खान, सुमैया और अर्श खान सहित छोटे बच्चों ने नातिया कलाम पेश किए। कार्यक्रम में जामा मस्जिद के मुतवल्ली वसीम खान, हाफिज शाहनवाज, मुर्शिद अली, हनीफ खान, नसीम खान, कारी मोहम्मद यूसुफ और इंतजार खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। ग्राम प्रधान/प्रशासक वकार अहमद ने शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस के समापन पर सभी का आभार जताते हुए सहयोग के लिए पुलिस प्रशासन का भी शुक्रिया अदा किया।

रक्षाबंधन पर मातृशक्ति को मा0 मुख्यमंत्री जी की बड़ी सौगात, जालौन में गूंजा 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ सहयात्री सहित नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा की भी घोषणा की। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले उत्तर प्रदेश की मातृशक्ति को मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बड़ी सौगात दी। लखनऊ स्थित जुपिटर हॉल, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से मुख्यमंत्री ने 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया तथा विशेष बसों को फ्लैग-ऑफ किया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी ने रक्षाबंधन के पर्व पर प्रदेश की माताओं, बहनों एवं बेटियों के लिए 27, 28 एवं 29 अगस्त तक सहयात्री सहित नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा की भी घोषणा की।

मा0 मुख्यमंत्री जी के संबोधन के दौरान सभागार में मौजूद महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को दी गई नि:शुल्क यात्रा की सुविधा को उपस्थित नारी शक्ति ने सरकार की ओर से सम्मान, सुरक्षा और आत्मीयता से जुड़ी पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी माताओं एवं बहनों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए साड़ी का वितरण किया। माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना विशेष रूप से वरिष्ठ माताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिलने से उन्हें अपने परिजनों से मिलने तथा धार्मिक एवं सामाजिक यात्राओं में सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर बहनों को सहयात्री सहित नि:शुल्क यात्रा की सुविधा देकर मुख्यमंत्री ने पर्व की खुशियों को और बढ़ा दिया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि मातृशक्ति के सम्मान का भी अवसर है। प्रदेश सरकार द्वारा इस अवसर पर महिलाओं को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा देना सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में सुविधा, सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं के लिए की गई नि:शुल्क बस यात्रा की व्यवस्था मा0 मुख्यमंत्री जी की मातृशक्ति के प्रति संवेदनशील सोच को दर्शाती है। जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र नागरिक उनका पूरा लाभ उठा सकें।

सागर रोड पर परिवहन विभाग की सघन वाहन चेकिंग, 19 वाहनों से 87 हजार रुपए शमन शुल्क वसूल

क्यूँ न लिखूँ सच / कम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन अधिकारी गिरिजेश वर्मा द्वारा बुधवार को सागर रोड विदिशा में वाहनों की सघन चेकिंग कार्यवाही की गई। त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा यात्री वाहनों में सुरक्षा मानकों एवं निर्धारित क्षमता के अनुरूप यात्रियों के परिवहन की विशेष रूप से जांच की गई।

चेकिंग कार्यवाही के दौरान कुल 23 वाहन नियम विरुद्ध संचालित होते पाए गए, जिनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। इनमें से 19 वाहनों से कुल 87 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। वहीं शेष 4 वाहनों को प्रकरणों के निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थाना ग्यारसपुर में रखा गया है।कार्यवाही के दौरान विशेष रूप से यात्री बसों की जांच की गई। त्यौहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियों के परिवहन, यात्रियों की सुरक्षा तथा आवश्यक सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया गया। जिला परिवहन अधिकारी गिरिजेश वर्मा ने वाहन संचालकों को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त अन्य श्रेणी के वाहनों की भी जांच की गई और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ यात्री वाहनों में निर्धारित मानकों का पालन कराना है। परिवहन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा एवं यात्री सुरक्षा के दृष्टिगत वाहन चेकिंग की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में बड़ा हादसा: गंगा की धार में पलटी मजदूरों से भरी नाव, 18 सवारों में 6 लापता; SDRF का रेस्क्यू जारी

भागलपुर के नवगछिया के राघोपुर में गंगा नदी पार कर रही मजदूरों से भरी नाव तेज धारा में पलट गई। नाव पर सवार 18 मजदूरों में से 12 सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि छह के लापता होने की आशंका है। SDRF और गोताखोरों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है।भागलपुर के नवगछिया पुलिस जिला अंतर्गत खरीक प्रखंड के राघोपुर इलाके में गंगा नदी में बड़ा नाव हादसा सामने आया है। मजदूरों को लेकर नदी पार कर रही नाव गंगा की तेज धारा के बीच अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते कई मजदूर गंगा की तेज धार में बहने लगे। जानकारी के मुताबिक, नाव पर कुल 18 मजदूर सवार थे, जो मजदूरी के लिए नदी पार कर रहे थे। हादसे के बाद 12 मजदूर किसी तरह तैरकर सुरक्षित घाट तक पहुंचने में कामयाब रहे। वहीं, करीब छह मजदूरों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है।प्रशासन और SDRF की टीम मोटरबोट के साथ मौके पर पहुंची- घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और SDRF की टीम मोटरबोट के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद गोताखोरों की मदद से लापता मजदूरों की तलाश में सघन रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। स्थानीय ग्रामीण और गोताखोर भी बचाव अभियान में सहयोग कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाव पलटने के दौरान कुछ मजदूरों के नाव के नीचे दबे होने की भी आशंका है। ऐसे में रेस्क्यू टीम नदी की तेज धारा के बीच नाव के आसपास भी लगातार तलाश कर रही है।

शिवपुरी में 3 लाख की स्मैक के साथ 20 वर्षीय युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शहर को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 14.48 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है।पुलिस के अनुसार 25 अगस्त को थाना कोतवाली को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति शारदा साल्वेंट के पास रेलवे स्टेशन रोड पर स्मैक बेचने की नीयत से खड़ा है। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

पूछताछ में युवक ने अपना नाम अनिकेत रावत (20), निवासी शारदा कॉलोनी, टोंगरा रोड, शिवपुरी बताया। तलाशी लेने पर उसके लोअर की दाईं जेब में पारदर्शी पन्नी में 14.48 ग्राम स्मैक रखी मिली। पुलिस ने स्मैक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 660/26, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके पूर्व में भी कई अपराधों में शामिल होने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस उससे स्मैक के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि शिवपुरी शहर में नशीले पदार्थों की बिक्री और परिवहन करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। बाहर से आकर नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले संदिग्धों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक विवेक भट्ट, उपनिरीक्षक सुमित शर्मा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजगढ़ में अवैध कच्ची शराब पर गोवर्धन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 65 लीटर शराब जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/पोहरी। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गोवर्धन थाना पुलिस ने ग्राम राजगढ़ में कार्रवाई करते हुए 65 लीटर देशी हाथ भट्टी की कच्ची शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 25 अगस्त 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम राजगढ़ में एक व्यक्ति अपने घर पर अवैध रूप से कच्ची शराब रखे हुए है। सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी शंभू बंजारा (56), पुत्र मोती बंजारा, निवासी ग्राम राजगढ़ के घर दबिश दी।

तलाशी के दौरान घर से दो नीले रंग की कैनों में 30-30 लीटर तथा एक सफेद कैन में 5 लीटर, कुल 65 लीटर देशी हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब बरामद हुई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई गई है।

पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी शंभू बंजारा के खिलाफ अपराध क्रमांक 73/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना गोवर्धन पुलिस द्वारा की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सौरभ तोमर, सउनि दशरथ सिंह राजपूत, सउनि उमाचरण गुर्जर सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नेपाल में बाढ़ से तबाही: कई गांव और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बहे, सात की मौत, 105 भारतीयों समेत 291 विदेशी लापता

उत्तरी नेपाल के रसुवा जिले में भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ से भारी तबाही हुई। तिमुरे और स्याब्रुबेसी में घर, वाहन और पुल बह गए। इसमें अबतक सात लोगों की मौत हुई है। वहीं, 384 यात्री लापता है। इसमें से 105 भारतीय शामिल है। उत्तरी नेपाल की भोटे कोशी नदी में बुधवार को अचानक बाढ़ आ गई। जिसमें सात लोगों की शव मिले हैं। वहीं, 384 यात्रियों लापता है, जिनमें 291 विदेशी नागरिक है। इसमें 105 भारतीय और 93 नेपाली नागरिक शामिल है। यह जानकारी नेपाल पर्यटन के हवाले से है।

इस बाढ़ के कारण तिब्बत सीमा के पास रसुवा जिले के कुछ हिस्से तबाह हो गए। घरों, गाड़ियों, पुलों और बुनियादी ढांचे के परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार बाढ़ में हजारों लोग लापता हैं। जिसके बारे में कई जानकारी नहीं है। कितने लोग लापता हुए? उत्तरी रसुवा में एक सीमा चौकी पर तैनात नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के चार जवान अचानक आई बाढ़ के कारण लापता हो गए हैं। इसके अलावा, स्थानीय मीडिया में के अनुसार, रसुवा सीमा शुल्क कार्यालय के 14 कर्मचारी भी संपर्क से बाहर हैं। नेपाल के स्वतंत्र बिजली उत्पादक संघ के अनुसार, बाढ़ से 15 हाइड्रो पावर परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। इनमें से 10 चालू हैं और पांच निर्माणाधीन हैं।सबसे ज्यादा कौन सा क्षेत्र प्रभावित हुआ? नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने की सूचना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब नौ बजे मिली। अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ का पानी तिब्बत की ओर से आया प्रतीत होता है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में तिमुरे और स्याब्रुबेसी की सीमावर्ती बस्तियां शामिल हैं। अधिकारियों ने अभी तक विनाश की पूरी सीमा का पता नहीं लगाया है और न ही हताहतों की पुष्टि की है। क्योंकि आकलन दल अभी भी प्रभावित क्षेत्रों से जानकारी एकत्र कर रहे हैं।रसुवा प्रशासन ने क्या कहा? - रसुवा जिले के प्रशासन नरेंद्र परियार ने रॉयटर्स को बताया,' हमें गांवों और बुनियादी ढांचा परियोजना स्थलों के बह जाने की खबरें मिली हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भारी जानमाल का नुकसान हो सकता है। लेकिन मैं अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता।नेपाल सेना ने क्या बताया? - नेपाल सेना ने कहा कि बाढ़ के कारण तिमुरे और स्याब्रुबेसी क्षेत्र में व्यापक तबाही हुई है, जिसमें वाहन, व्यावसायिक सामान और अन्य संपत्ति पानी में बह गई है। रसुआ के मुख्य सीमा शुल्क अधिकारी राजेंद्र ढुंगाना ने बताया कि सीमा शुल्क परिसर में रखे कई वाहन और सामान बह गए। हाल ही में निर्मित एक पुल भी नष्ट हो गया। काठमांडू से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित और तिब्बत से सटे पहाड़ी जिले रसुवा की आबादी लगभग 50,000 है।राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन ने क्या चेतावनी दी? - राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण ने रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, चितवन और गोरखा में नदी तटों के पास रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की चेतावनी दी है।

संक्षिप्त समाचार

बदरवास के श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में 4 सितंबर को होगा श्रीकृष्ण पर्व

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। बदरवास स्थित प्रसिद्ध श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में आगामी 4 सितंबर को एक दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं तथा स्थानीय जनश्रुतियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। आयोजन को गरिमामय और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। कोलारस एसडीएम शिवदयाल धाकड़ को श्रीकृष्ण पर्व का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि बदरवास जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन की योजना है कि आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु और आमजन इसमें शामिल हो सकें। इसके साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, विद्वानों और नागरिकों को भी धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव से जोड़ा जाएगा। श्रीकृष्ण पर्व के आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रशासन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं पौराणिक विरासत को भी सामने लाना है।

अतिवृष्टि से झांसी, जालौन और ललितपुर में फसलों को भारी नुकसान, MLC रमा निरंजन ने मांगा सर्वे और मुआवजा

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार / झांसी। अतिवृष्टि से झांसी, जालौन और ललितपुर जनपदों में किसानों की फसलों एवं कृषि भूमि को हुए भारी नुकसान को लेकर विधान परिषद सदस्य (MLC) रमा निरंजन ने किसानों की आवाज उठाई है। उन्होंने मंडलायुक्त झांसी मंडल को पत्र भेजकर प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का सर्वेक्षण कराकर किसानों को उचित राहत एवं क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की मांग की है।

MLC रमा निरंजन ने पत्र में कहा कि उनके विधान परिषद क्षेत्र के तीनों जनपदों के गांवों में हाल में हुई अत्यधिक बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है। इससे मूंग, उड़द, मूंगफली, विभिन्न सब्जियों सहित अन्य फसलों को भारी क्षति पहुंची है। लगातार बारिश के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मंडलायुक्त से मांग की कि झांसी, जालौन और ललितपुर के जिलाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं और प्रभावित गांवों में शीघ्र सर्वेक्षण कराया जाए। सर्वेक्षण के आधार पर नुकसान का आकलन कर पात्र किसानों को नियमानुसार राहत एवं क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराई जाए। MLC रमा निरंजन ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को समय पर सरकारी सहायता मिलना जरूरी है। उन्होंने किसान हित में मामले में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की अपेक्षा जताई है। पत्र की प्रतिलिपि संबंधित जिलाधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

किराना पान मसाला की गुमटी से करीब छह हजार रुपये का सामान चोरी, पीड़ित ने मटेरा पुलिस से कार्रवाई की लगाई गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच। मटेरा थाना क्षेत्र में किराना पान मसाला की गुमटी से हजारों रुपये का सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकानदार आकाश वर्मा पुत्र बिनोद कुमार वर्मा निवासी निबिया बेगमपुर ने थाना मटेरा में प्रार्थना पत्र देकर घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार पीड़ित पान मसाला का सामान बेचने का व्यवसाय करता है। आरोप है कि उसकी दुकान के पास से अज्ञात व्यक्ति द्वारा दुकान में रखा सामान चोरी कर लिया गया। पीड़ित के मुताबिक चोरी हुए सामान की कीमत करीब छह हजार रुपये बताई गई है। पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद उसने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पीड़ित ने थाना प्रभारी मटेरा से मामले की जांच कर चोरी की घटना का खुलासा करने तथा दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। अब देखना यह है कि पुलिस मामले की जांच कर चोरी की घटना का खुलासा कब तक करती है।

Amid the growing threat of swine flu, doctors' essential advice: These two precautions can be your shield.

Not every patient with swine flu (H1N1) is likely to be seriously ill, but certain symptoms can be a warning sign. If you experience difficulty breathing, chest pain, extreme weakness, confusion, dehydration, or symptoms that improve and then worsen, consult a doctor immediately. The H1N1 virus is currently being reported in several other states, including the capital Delhi-NCR. A large number of people are arriving at hospitals with high fever, cough, sore throat, and body aches. While doctors say the H1N1 virus is usually a mild infection, some people may develop severe illness and even die. Deaths have been reported in Ujjain, Madhya Pradesh, and Kerala, although the victims were elderly. The mere mention of swine flu (H1N1) instills fear in people. To prevent infection, people have once again started wearing masks and taking preventative measures like COVID-19. In a report published in Amar Ujala, we explained that swine flu can become dangerous in people with weakened immunity and pre-existing conditions, affecting the lungs and heart. This is why, even if it's a mild infection like influenza, one should not take the disease lightly. Amid the ongoing threat of swine flu, a doctor in Amar Ujala shared two important points that can be very helpful in protecting you from the dangers of this disease. What is the doctor's advice? Intensive care doctor Utkarsh Sinha said, "Swine flu is not a new virus like coronavirus; it has spread before. It is a subtype of the influenza virus. Seasonal influenza cases have also increased during the monsoon season, but this time there is a little more concern. However, it is very easy to prevent this infection. We need to repeat the same preventative measures as for coronavirus." Avoid crowded places, wear a mask, regularly wash and sanitize your hands, and maintain distance from infected people. Furthermore, two mistakes should be avoided regarding swine flu. A little caution can easily eliminate this outbreak. First, panicking and assuming every patient is serious, and second, dismissing serious symptoms as common flu. Not every fever and cough necessarily means severe H1N1. H1N1 or swine flu can cause symptoms such as a sudden high fever, cough, sore throat, headache, muscle aches, and weakness. The severity of these symptoms can vary from person to person. Therefore, it's not advisable to panic simply because of a high fever and cold and cough. Most people recover from the flu without any serious complications. The illness can last for about a week for most people. If a patient has a fever and cough but is breathing normally, able to drink water, conscious, and not deteriorating, there's no need to panic. Don't dismiss serious symptoms as a common flu. The most serious sign of H1N1 is difficulty breathing. If the patient is short of breath, breathing much faster than normal, or experiencing chest pain, this should not be ignored. This is considered an emergency, requiring immediate medical attention. Many patients may experience serious complications such as blue lips or face, extreme weakness, fainting, confusion, or normal inactivity. Flu can also cause dehydration. High fever, sweating, vomiting, or poor fluid intake can worsen dehydration. What are doctors' advice? Doctors say H1N1 can affect people of any age, but the risk of serious illness varies widely. Young children, the elderly, pregnant women, and those with pre-existing asthma or lung disease are at higher risk. If flu symptoms develop or worsen, relying solely on home remedies is not advisable. Consult a doctor promptly. Changes in the body during pregnancy can increase the effects of infection, so if symptoms occur, one should immediately contact a doctor.

For the first time, lenacapavir injection has been approved for HIV prevention. Who will benefit?

Lenacapavir injection has been approved for the first time in India for HIV prevention. How effective will it be for people at high risk of infection, and who will benefit? Find out in this report. For the first time in India, lenacapavir injection has been approved for use in people at high risk of HIV infection. Expert committees of the Central Drugs Standard Control Organization (CDSCO) have made important recommendations regarding the manufacture, sale, and clinical trials of these drugs. The committees have considered lenacapavir injection as an option to meet the need for pre-exposure prophylaxis to reduce the risk of HIV-1 infection in adults and adolescents weighing at least 35 kg who are at high risk of infection. However, a negative HIV test will be required before starting the drug. At the same time, steps have also been taken to make Ruxolitinib cream available for patients suffering from atopic dermatitis and Rifaximin, a medicine used in stomach-intestinal diseases, available in sachet form. It has been recommended to allow the manufacture and sale of Rifaximin in sachets of 400 and 550 mg. Atopic dermatitis is a skin disease in which skin problems can persist for a long time. It has been recommended to allow the manufacture and sale of Ruxolitinib cream 1.5% for use in its mild to moderate cases. This cream is proposed for use in non-immune-weakened adult patients.

Why is a snakebite patient advised to remain awake? These precautions can save lives.

After a snakebite, it's often recommended to keep the patient awake. It's essential to constantly monitor their consciousness and breathing. Keep the patient calm, do not allow them to move, immobilize the bitten area, and immediately transport them to a hospital. Cutting the wound, sucking out the poison, and tying it tightly can be harmful. The rainy season not only increases the risk of mosquito-borne diseases, but also sees the highest number of snakebite cases reported nationwide. Statistics show that approximately 50,000 to 60,000 people die from snakebites in India each year. This represents nearly half of all snakebite deaths worldwide. Extensive public health studies, such as the World Health Organization's snakebite report, show that most of these tragic incidents occur in rural agricultural areas during the rainy season. The danger is further exacerbated when people resort to home remedies and witchcraft instead of seeking proper medical treatment. Health experts say that the greatest harm after a snake bite is often caused not by the venom itself, but by panic and improper treatment. After a snake bite, bystanders often make mistakes like cutting the wound, sucking out the venom with their mouth, or tightly tying a cloth. This worsens the patient's condition. You may have often seen a person bitten by a snake. What is the reason for this? Health experts say that the effect of snake venom depends on the type of snake that bit, the amount of venom that penetrates the body, and the affected area. The venom of some snakes can affect nerves and muscles. This can lead to serious conditions such as drooping eyelids, difficulty speaking or swallowing, and gradually weakening the respiratory muscles. In such cases, it becomes important to constantly monitor the patient's consciousness and breathing. Why is the patient advised to remain awake? After a snake bite, it is often advised to keep the patient awake. Health experts say this advice is given so that symptoms of the poison and consciousness can be constantly monitored. Sleep makes it difficult to determine whether the patient's condition is worsening or whether the unconsciousness is due to the poison itself. The venom of some venomous snakes can affect the nervous system, causing symptoms such as drooping eyelids, difficulty speaking or swallowing, and muscle weakness. In severe cases, the respiratory muscles can also be affected. Therefore, it is important to monitor the patient's consciousness and breathing. These symptoms cannot be properly identified while the patient is asleep. What mistakes should not be made after a snake bite? Health experts say that after a snake bite, cutting the wound with a blade to drain the blood or sucking out the poison with the mouth has been considered a home remedy, but this mistake should be avoided. A tightly tied bandage or rope can restrict blood flow, damaging healthy tissue. Similarly, attempting to suck out the poison can pose a risk to both the patient and the person assisting. Therefore, instead of wasting time on home remedies, the victim should be taken to a doctor directly. Doctors say that the most important thing after a snake bite is to reach the hospital on time. There, antivenom, an injection given to block the effects of snake venom, can be life-saving. Additionally, it's crucial to monitor the patient's breathing, blood pressure, and other organ problems. Take the patient to a doctor in a timely manner and administer the antivenom injection.

"Sentimental Value" sweeps the Amanda Awards; what did the film's writer and director say?

The film "Sentimental Value" has won eight consecutive Amanda Awards. Director Joachim Trier and writer Eskil Vogt shared their thoughts on the film during a conversation. Joachim Trier's Oscar-winning film "Sentimental Value" proved to be the most successful film at this year's Amanda Awards, winning numerous awards. What did Vogt say about the film? - Director Joachim Trier won the Best Director award for "Sentimental Value" at the Amanda Awards. Furthermore, Eskil Vogt, who wrote the film, also won the Best Screenplay award. Speaking to Variety, Vogt said, "When I write alone, I procrastinate. But when I write with Joachim, I get to spend a day with him." What did Joachim Trier say? Joachim Trier spoke about the importance of his partner Eskil Vogt in his life. He also spoke extensively about the time he spent with Vogt during the filming. Trier said, "I have the longest relationship with Eskil after my parents. We don't need to be unnecessarily romantic about it. We have to be honest with each other; that's a true gift. A lot happens during the making and release of a film. We both love to go back to that safe environment and rediscover that peace." When was "Sentimental Value" released? The film "Sentimental Value" was released in theaters on November 7, 2025. The film won eight trophies, including the award for Best Norwegian Film. The story is based on a father and his two daughters. In the film, a father is separated from his two daughters for a long time, but fate brings them closer.

"I have to repay a loan..." Who is Riteish Deshmukh looking for? The actor's post went viral.

On Sunday, Riteish Deshmukh shared a post on Instagram, in which he mentions a person to whom he owes money. Find out why he borrowed money. Riteish Deshmukh and Genelia were spotted at a Mumbai restaurant on Sunday to attend a party. When they left, they were surrounded by paparazzi. Meanwhile, a man lent them some money. They want to repay this loan. People are asking for that person's number on social media. Find out what the whole story is. Who gave Riteish money and why? - While paparazzi were taking photos of Riteish and Genelia, some young children started asking for money. Riteish didn't have any at the time. A paparazzi then gave the money to the children on his behalf, and Riteish thanked him for it. Now, sharing the picture of the same paparazzi on his Instagram post, he is asking for his number. Ritesh has to repay the loan - In his post, Ritesh writes, 'Thank you Bhau. Please help me get his number. He had given me money. I have to repay his loan.' Ritesh wants him to return the money to the paparazzi. What is Ritesh doing on the career front? - Recently, Ritesh played the role of Chhatrapati Shivaji Maharaj in a Marathi film. This film received a good response. Apart from this, he was also seen in the film 'Dhamaal 4'.

Actor arrested in drug case, previously worked with Shahid Kapoor; police launch investigation

Ruhullah Mehdi, who worked with Bollywood actor Shahid Kapoor in the film "Deva," has been arrested in a drug trafficking case. Police officials in Mumbai received information that actor Ruhullah Mehdi was approaching the Dahisar checkpoint for drug trafficking. According to ANI, Senior Police Inspector Rajendra Kamble of Mumbai's Kashimira Police Station formed a team and began surveillance and investigation. How many drugs was the actor caught with? According to Mira-Bhayander Police, Ruhullah Mehdi and his accomplice were arrested with 28 grams of drugs. Police have launched an investigation into the matter. When the actor was apprehended, he was seen hiding his face from the camera. Has the actor appeared in several films and web series? According to police, the actor is originally from the Budgam district of Jammu and Kashmir and lived in Goregaon, Mumbai. Actor Rohullah Mehdi has worked with Shahid Kapoor in the film 'Deva'. He has also appeared in many web series. What was the story of the film 'Deva'? - If we talk about the story of Shahid Kapoor's film 'Deva', in this he is playing the role of a police officer Dev. He is a police officer with a rebellious nature. When Dev investigates a high-profile case, he is betrayed during this. Is Dev able to solve the case? What does he do with those who betrayed him? This is the story of the film. Actor Rohullah Mehdi played a small role in this film.

Yash defends himself at 'Toxic' event, says, "This film will prove it"; speaks highly of Geetu Mohandas

At the pre-release event for the film 'Toxic' on Saturday, superstar Yash refuted claims that the film criticizes women. He also spoke highly of director Geetu Mohandas. The film has been embroiled in controversy since the trailer was launched. The film has faced numerous criticisms, with questions being raised about its portrayal of women. Meanwhile, at the film's pre-release event, Yash addressed these questions. What did Yash say at the film's pre-release event? Yash defended the makers of the film against criticism of the film's portrayal of women. He said, "I want to say something to the young women present here. The director of this film, Geetu Mohandas, is also a woman. I know that achieving anything in life is difficult for everyone, but it's doubly so for women. Society may not always accept it. But the fact is, people will judge you." They wonder what a woman can achieve? I've heard such things myself.' The actor said the film will prove it - At the film's pre-release event, Yash said, "Director Geetu Mohandas will prove that every girl and woman can face any situation, express their thoughts and opinions, and succeed in this society. Contrary to the impression the trailer gives, this film truly gives women a voice. Watch the film, enjoy it, and I'm sure you'll all have a great time." When will the film be released?
Yash plays the lead role in the film "Toxic." He also stars Kiara Advani, Nayanthara, Huma Qureshi, Tara Sutaria, and Rukmini Vasanth. The film will be released in theaters on August 26, 2026. Audiences will get to see Yash's action style in the film.